मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 345, मुंबई, गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास

आज राज्यसभा में आएगाः सोनिया बोलीं- बिल जबरन पारित किया गया, सरकार देश को रसातल में ले जा रही

वक्फ बिल पर वोटिंग

कुल वोट पड़े : 520

पक्ष	विपक्ष
288	232

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा- संसद रात में 2 बजे तक चल कर रही थी, उधर अमेरिका टैरिफ लगा रहा था। देश और विशेष रूप से बीजेपी के मतदाताओं को यह समझना चाहिए कि वक्फ संशोधन विधेयक लोगों का ध्यान भटकाने के लिए एक प्रायोजित कार्यक्रम था। उन्होंने कहा- ये सरकार सिर्फ देश की जनता का ध्यान भटकाना चाहती है ताकि अमेरिका जो टैरिफ लगा रहा है, उस पर कोई बात ना करे।

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने गुरुवार को कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) की बैठक में कहा कि केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में जबरन पारित करवाया है। यह विधेयक संविधान पर एक हमला है। यह हमारे समाज को स्थायी रूप से तोड़ने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। सोनिया ने कांग्रेस सांसदों से कहा- मोदी सरकार देश को रसातल में ले जा रही है। वह संविधान को ध्वस्त करना चाहते हैं। संविधान केवल कागजों पर रह जाएगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया

ट्रम्प बोले- मोदी अच्छे दोस्त, लेकिन टैरिफ पर व्यवहार ठीक नहीं; बदलाव 9 अप्रैल से लागू होगा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात भारत पर 26% टैरिफ (रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ) लगाने का ऐलान किया। ट्रम्प ने कहा- भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा, भारत अमेरिका पर 52% तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 26% टैरिफ लगाएगा। अन्य देश हमसे जितना टैरिफ वसूल रहे, हम उनसे लगभग आधे टैरिफ लेंगे। इसलिए टैरिफ पूरी तरह से रेसिप्रोकल नहीं होंगे। मैं ऐसा कर सकता था, लेकिन यह बहुत से देशों के लिए कठिन होता। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ट्रंप के टैरिफ ऐलान से सहमा बाजार

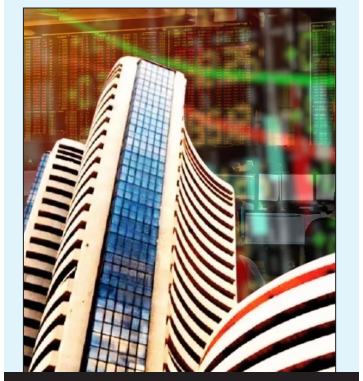

सेंसक्स में बड़ी गिरावट; निफ्टी भी लुढ़का

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर जवाबी टैरिफ के एलान का असर गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। शुरूआती कारोबार में ही शेयर बाजार नकारात्मक रुख के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली। फिलहाल सेंसेक्स 805.58 अंक यानी 1.05 फीसदी गिरकर 75,811.86 अंक पर कारोबार करते दिखा। ऐसे निफ्टी 182.05 अंक यानी 0.78 फीसदी गिरकर 23,150.30 कारोबार कर रहा है। 30 शेयरों वाले बीएसई सेंसेक्स में आज करीब आठ सौ अंक की गिरावट पर खुला। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आप कौन होते हैं ये तय करने वाले?

पाकिस्तानी एक्टर की फिल्म पर मचा बवाल! मनसे कार्यकर्ता पर भड़के लोग

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में औरंगजेब के मुद्दे के बाद अब पाकिस्तानी एक्टर की फिल्म को लेकर विवाद खड़ा होते नजर आ रहा है। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पार्टी ने बुधवार को कहा कि वह पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान की फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज का विरोध करेगी। इसका उन्होंने पोस्ट भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

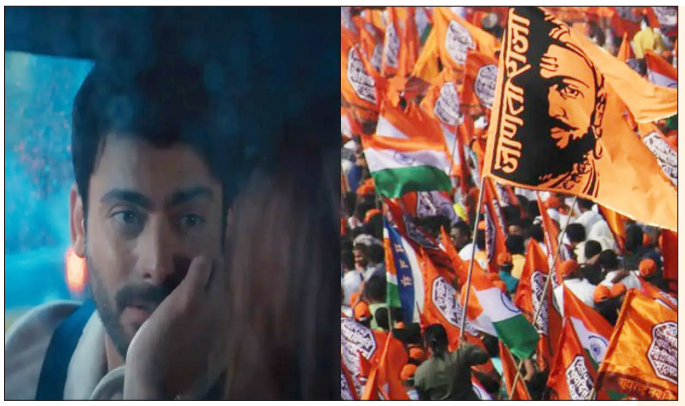

अमिय खोपकर का पोस्ट

इतनी बार कहने के बावजूद कि पाकिस्तानी कलाकारों की फिल्में भारत में रिलीज नहीं होंगी, फिर भी कुछ घटिया आम निकाले जा रहे हैं। फिर उन्हें कूड़े में फेंकने का काम मान सैनिक के लोगों को करना होगा और हम करेंगे, करते रहेंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि फिल्म अबीर गुलाल भारत में रिलीज नहीं होगी। जो लोग पाकिस्तानी कलाकारों को निशाने पर लेना चाहते हैं, वे खुश रहें, लेकिन याद रखें कि मुकाबला हमसे है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

दवा उद्योग पर संकट

भारत का औषधि उद्योग जेनरिक दवाओं के उत्पादन के लिए मशहूर है। कई गरीब देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था तो लगभग पूरी तरह इन दवाओं पर ही निर्भर है। वैसे भारत में बनीं लगभग एक तिहाई दवाएं अमेरिका जाती हैं।

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने दुनिया भर में अमेरिकी कारोबार के आगे पेश आने वाली गैर-शुल्क बाधाओं पर अपनी रिपोर्ट में भारत के औषधि उद्योग को खास निशाना बनाया है। भारत में जीवन रक्षक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के दाम नियंत्रित करने के चलन पर हमला बोला गया है। कहा गया है कि भारत में औषधि मूल्य विनियमन करने वाली एजेंसी- नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग ऑथरिटी (एनपीपीए) मुद्रास्फीति में हुई बढ़ोतरी और तकनीकी प्रगति का बिना ख्याल किए मूल्य नियंत्रण करती है। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा है। इन कंपनियों ने इससे संबंधित अपनी चिंताएं एनपीपीए को बताई हैं, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया गया है। इस तरह यूएसटीआर ने अमेरिका में भारतीय दवाओं पर नए टैरिफ के लिए तर्क तैयार किए हैं। भारत का औषधि उद्योग जेनरिक दवाओं के उत्पादन के लिए दुनिया भर में मशहूर है। कई कम आय वाले देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था तो लगभग पूरी तरह इन दवाओं पर ही निर्भर है। वैसे भारत में बनीं लगभग एक तिहाई दवाएं अमेरिका जाती हैं। वहां ये आम लोगों के लिए सस्ती औषधि का प्रमुख स्रोत हैं। मगर ट्रंप प्रशासन की चिंता अमेरिकी कंपनियों का मुनाफा है। तो उसने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए चल रही वार्ता में इस उद्योग से संबंधित मुद्दों को शामिल कराया है। इस बीच अमेरिकी मीडिया के एक हिस्से में भारतीय दवाओं के सुरक्षित होने से संबंधित मसले को उछाल दिया गया है। भारत में निरीक्षण की कमजोर पड़ती गई व्यवस्था का परिणाम कुछ कंपनियों द्वारा मिलावटी दवाएं बनाने के रूप में सामने आया है। कुछ एशियाई और अफ्रीकी देशों- और यहां तक अमेरिका में भी एक दवा के कारण स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें होने की शिकायत हालिया वर्षों में आ चुकी है। अब इस मसले का इस्तेमाल भी भारतीय औषधि उद्योग को घेरने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा अमेरिका का दबाव भारत के पेटेंट कानून में बदलाव के लिए भी है। इन हालात में देश औषधि उद्योग के सामने खड़े हुए संकट से बचाव के उपाय भारत सरकार कर पाएगी? आखिर इस कारोबार से लाखों जिंदगियां जुड़ी हुई हैं।

मैट्रिक और इंटर मेडियड में बिस्फी की बेटियों ने लहराया परचम

मुंबई हलचल/ संवाददाता

मधुबनी। मेट्रिक और इन्टर मेडियड २०२५बिहार विद्यालय द्वारा मैट्रिक और इन्टर मेडियड का रिजल्ट जारी किया गया जिसमें मधुबनी बिस्फी की छात्राओं ने छात्रों को पछाड़कर आगे निकली है अच्छे अंक से सफल होने वाली छात्राओं को परिजनों ने मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया वहीं बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। बिस्फी के बसौली उत्क्रमित उच्च मध्य विधालय खैड़ी बांका की छात्रा रोकैया मास्टर मो अफरोज आलम साहब ने मेट्रिक परिक्षा में

सबसे अधिक अंक 428 प्रथम स्थान लाकर बिस्फी प्रखंड का नाम रोशन किया है वही इस्लामिया उर्दू प्लस टु स्कूल फुलवारी शरीफ की नोशिन फातमा ने इन्टर मेडियड में 427 अंक प्रथम स्थान लाए हैं परीक्षार्थियों ने बताया कि इस बार का परिणाम काफी अच्छा आया है दोनों बहनों ने प्रथम स्थान लाकर अपने खानदान और शहर और गांव का नाम रौशन किया रोकैया और नोशिन फातमा मास्टर मोहम्मद अफरोज आलम कि लड़की हैं और उनकी कामयाबी पर चाचा चाची दादा दादी ना-ना नानी मामा मामी और मोहम्मद सालिम अबुल कलाम शकिल ईमानी समेत दिगर रिश्ता दारों समेत मो कामी लोगों नें खुशी का इजहार करते हुए उन्हें मोबारकबाद पैश कि है और उसके रौशन मोसतकबल के लिए दुआएं कि।

एक्ट्रेस रौशनी सिंह की पुतोह फिल्म हुई रिलीज

मुंबई। ए.आर. प्रोडक्शन के बैनर तले बनी मैथिली फीचर फिल्म 'पुतोह' प्राइम ओ. टी. टी. यूट्यूब चैनल पर रिलीज की गई। जिससे निमार्ता रंजन मिश्रा ने बताया कि समाज को एक नई दिशा देने वाली मैथिली फीचर फिल्म बनाई गई हैं। जिसे ए. आर. प्रोडक्शन के यूट्यूब पर चैनल पर रिलीज की गई है। जिसे दर्शक ए. आर. प्रोडक्शन के यूट्यूब पर प्राइम मेंबर आसानी से फिल्म को देख सकते हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड की लोकप्रिय एक्ट्रेस, मॉडल रौशनी सिंह ने बहुत ही खूबसूरत तरीके से अभिनय करके दर्शकों को उनका अभिनय अवश्य ही पसंद

आएगा। उन्होंने कहा है कि इस फिल्म को फिल्म के शौकीन दर्शकों को अवश्य देखना चाहिए। इस फिल्म के निर्देशक साकेत साही हैं। इस फिल्म में सह कलाकारों में लावण्या कुमार, घनश्याम, समीर आनंद, मोना सिंह, संजय रजक, मनोज कुमार शांडिल्य तथा रूपा सिंह ने भी काम किया है। इस फिल्म के कैमरामैन पंकज कुमार मिश्रा, लिरिक्स इंद्र मोहन मिश्रा, 'महफिल' राजेश राशिक पासवान तथा अमन राय के हैं। संगीतकार बालकांत आनंद, लेखक साकेत साही, आर्ट निर्देशक अखिलेश राज, मैकअप मैंन जय शर्मा, कोरियोग्राफर संजय का हैं।

कोकण संस्था की पहल: वाडोस में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ मादक पदार्थों के दुरुपयोग रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम

मुंबई हलचल/संवाददाता

कोकण कला व शिक्षण विकास संस्था की ओर से जयप्रकाश नारायण माध्यमिक विद्यालय और सहकार महर्षि शिवराम भाऊ जाधव जूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, वाडोस-कुडाळ में ड्रग अब्यूज प्रिवेंशन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के लिए नॅशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस, जो सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत कार्य करता है, उसकी ओर से सहयोग प्रदान किया गया। इस विभाग के माध्यम से देशभर में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, और इसी के तहत आज इस स्थान पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मंच पर कार्यक्रम के मार्गदर्शक डॉ. राजेंद्र पाटिल, श्री प्रथमेश सावंत, श्री अमित पाटिल, विद्यालय के प्रधानाध्यापक भरत सराफदार, शिक्षक आनंद राठये, श्रेया पवार, विठोबा कडव, विजय चव्हाण, हिमाली सावंत, दत्तप्रसाद मांजरेकर तथा कोकण संस्था की ओर से ऋचा पेडणेकर, वैष्णवी म्हाडगुत, समीर शिर्के, भगवान चव्हाण, श्रुति तरी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के उद्घाटन की

शुरूआत में अतिथियों का गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया गया। इसके बाद छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए नशाखोरी देश के लिए संकट विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. प्रार्थना कदम, द्वितीय स्थान कु. पूनम घाड़ी, और तृतीय स्थान कु.प्रेरणा धुरी ने प्राप्त किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मंच पर आकर नशा मुक्ति पर अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम की शुरूआत में प्रथमेश सावंत ने नशा क्या होता है और इसका समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस विषय पर परिचय दिया। डॉ. राजेंद्र पाटिल ने नशा और मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान युवाओं के सामने एक गंभीर संकट बताया। उन्होंने नशे के कारण होने वाले विभिन्न शारीरिक नुकसान और इसके समाज पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में निबंध प्रतियोगिता के विजयी विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बोईसर में पुराने विवाद को लेकर तीन युवकों पर जानलेवा हमला; चार आरोपियों पर मामला दर्ज

मुंबई हलचल/संवाददाता

पालघर। बोईसर के संतोषी नगर भैयापाडा इलाके में एक पुराने विवाद को लेकर तीन युवकों पर जानलेवा हमला किया गया। इस घटना के चलते क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। बोईसर पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। 31 मार्च 2025 की रात करीब 11:30 बजे राजस्थान किराना दुकान के सामने, संतोषी नगर भैयापाडा में यह घटना घटी। फिरयादी सूर्या दुरई तेवर (उम्र 21, व्यवसाय झ्र छात्र, निवासी संतोषी नगर, केजीएन शॉप के पास, बोईसर) अपने दोस्तों अर्शद और भावेश के साथ मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। तभी रास्ते में आरोपियों धीरज मांझी, संतोष पाटिल, महमद पठान और गुड्डू (पूरा नाम और पता अज्ञात) ने उन्हें जबरन रोक लिया। जैसे ही फिरयादी और उसके दोस्त रुके, आरोपियों ने पुरानी रंजिश का बदला लेने के

इरादे से उन पर हमला कर दिया। पहले तो आरोपियों ने उन्हें गालियां देते हुए धमकाया, फिर लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान एक आरोपी ने लकड़ी के डंडे से सूर्या के सिर और दाएं हाथ पर जोरदार प्रहार किया। वहीं, अर्शद के सिर, पीठ, हाथ और पैरों पर वार किया गया, जबकि भावेश को भी सिर और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। इस हमले में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूर्या और अर्शद के सिर पर चोट लगने से खून बहने लगा, जिसके चलते उन्हें तुरंत नजदीकी शगुन अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही जांच शुरू कर दी गई और आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 118(1), 115, 352 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लिया जाएगा और मामले की गहराई से जांच की जाएगी। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन को सतर्क रहने की जरूरत है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस इलाके में लगातार इस तरह की वारदातें हो रही हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास इस मामले से जुड़ी कोई भी जानकारी हो, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। बोईसर पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है।

सुमय्या अली महिला कार्य गौरवरत्न पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। 31/03/2025 रोजी अकोला के श्री शिवाजी कॉलेज वसंत सभा गृह में महिला दिवस का कार्यक्रम लिया गया। इस कार्यक्रम में सुमय्या अली इन्हें महिला कार्य गौरवरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया सुमय्या अली पिछले कई सालों से सामाजिक कार्य करते आरहे हैं यह सामाजिक कार्यो की दखल लेते हुए इन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया गया इस समय सुमय्या अली इन्हें सम्मान चिन्ह और पौधा देकर महिला कार्य गौरवरत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया पुरस्कार देते वक्त सुमय्या अली इनके कामों की तारीफ भी की गई यह पुरस्कार युवा विचारपीठ इनकी ओर से दिया गया इस समय प्रमुख अतिथि श्री किरण सरनाईक (शिक्षक आमदार अमरावतीविभाग), कल्पना देशमुख (संचालिका आरसी केबल नेटवर्क), डॉक्टर तरंग तुषार वारे (जिल्हा शैल्य चिकित्सिक), निलेश ढाकरे, राजू दहापुते, डॉ.कल्याणी पज्ञने आदि मान्यवर उपस्थित थे पुरस्कार मिलने के बाद सुमय्या अली इनका सभी ओर अभिनंदन हो रहा है।

नवी मुंबई के डॉक्टर ने इटली फ्लोरेंस में आयोजित प्रतिष्ठित यूरोपीय चिकित्सा कांग्रेस में प्रस्तुत किया अपना क्लीनिकल कार्य

मुंबई हलचल/संवाददाता

नवी मुंबई। इटली के फ्लोरेंस में आयोजित यूरोपीय कांग्रेस ऑफ इंटरनल मेडिसिन (ईसीआईएम) 2025 में नवी मुंबई के 26 वर्ष के डॉक्टर उदित भास्कर वैश्य ने अपना नैदानिक कार्य और शोध प्रदर्शित किया। यह सम्मेलन आंतरिक चिकित्सा में सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में से एक है, जिसमें विभिन्न चिकित्सा विषयों के विशेषज्ञ एक साथ आते हैं। इसका आयोजक ECIM यूरोप में आंतरिक चिकित्सा विशेषज्ञों के लिए एक प्रमुख संगठन है। डॉ. उदित वैश्य, नवी मुंबई स्थित डी.वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज में जनरल मेडिसिन के रेजिडेंट डॉक्टर हैं।

उनका काम मेटबोलिक, कार्डियक, न्यूरोलॉजिकल, एंडोक्राइन और गुर्दे की स्थितियों से जुड़े जटिल मामलों पर केंद्रित था। उन्होंने विशेष रूप से उन मामलों पर फोकस किया जिनमें कई विशेषज्ञताओं में सहयोगी प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उनके शोध ने बताया कि ओवरलैपिंग लक्षण अक्सर निदान और उपचार को कैसे जटिल बनाते हैं, विशेष रूप से टाइम सेंसिटिव और महत्वपूर्ण मामले के प्रबंधन में बहु-विषयक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देते हैं। डॉ उदित वैश्य के काम ने भारतीय डॉक्टरों की नैदानिक विशेषज्ञता को भी रेखांकित किया, जो जटिल स्थितियों का

सटीक निदान और उपचार करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करता है। डॉ. उदित वैश्य ने बताया, ये मामले अक्सर ऐसे लक्षणों के साथ आते हैं जो स्पष्ट रूप से एक ही विशेषता के अंतर्गत नहीं होते हैं।

उदाहरण के लिए, न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के साथ आने वाला एक मरीज एक अंतर्निहित मेटाबोलिक बीमारी का संकेत दे सकता है जो भविष्य में जोखिम पैदा कर सकता है, जिसके लिए समय और उपलब्ध संसाधनों पर सावधानीपूर्वक विचार करते हुए प्रत्येक मामले के लिए एक सूक्ष्म दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। डॉ उदित वैश्य ने बताया, इस प्रमुख चिकित्सा सम्मेलन में मैंने यह तथ्य उजागर करने का लक्ष्य रखा कि भारतीय डॉक्टर असाधारण नैदानिक कौशल का प्रदर्शन करते हैं और संसाधनों की कमी के बावजूद सकारात्मक रोगी परिणाम प्राप्त करते हैं। उनके अध्ययन ने नैदानिकचुनौतियों, उपचार रणनीतियों और रोगी परिणामों की जांच की, वास्तविक दुनिया के नैदानिक अवलोकनों की एक सीरिज से अंतर्दृष्टि प्राप्त की। इसमें निम्नलिखित मामले शामिल थेः बुलबार ऑनसेट एएलएस, एक नए निदान किए गए स्जोग्रेन सिंड्रोम रोगी में रीनल ट्यूबलर एसिडोसिस, जो डेंगू संक्रमण से ट्रिगर होने वाले श्वसन पतन के साथ हाइपोकैलेमिक पैरालिसिस के रूप में प्रस्तुत होता है। यूरोपियन कांग्रेस ऑफ इंटरनल मेडिसिन (ECIM) 2025 को 80 से अधिक देशों से 3,000 से अधिक शोध आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें आंतरिक चिकित्सा के भीतर कई तरह की विशेषताएँ शामिल थीं। सम्मेलन ने चिकित्सा पेशेवरों को प्रगति पर चर्चा करने, नैदानिक अनुभव साझा करने और नए उपचार दृष्टिकोणों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। इस वर्ष की यूरोपीय कांग्रेस में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की गईः मल्टीमॉर्बिडिटी और उम्र बढ़ने से संबंधित बीमारियाँ, हृदय और मेटाबोलिक विकारों में प्रगति, आंतरिक चिकित्सा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, व्यक्तिगत चिकित्सा और सटीक स्वास्थ्य सेवा। डॉ. उदित भास्कर वैश्य का शोध इन विषयों के साथ जुड़ा हुआ है, जो नैदानिक अभ्यास में जटिल, बहु-प्रणाली विकारों के प्रबंधन पर चल रही चर्चाओं में योगदान देता है।

शराब ठेके के विरोध में सड़क पर उतरीं कानपुर की महिलाएं : कई को पीटा

कानपुर। यहां शराब ठेका खोलने के विरोध में महिलाओं ने बवाल कर दिया। इस दौरान उन्होंने ठेकेदार और उसके साथियों की पिटाई भी कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मुश्किल से उन्हें समझा बूझकर शांत कराया। मामला रावतपुर स्थित विनायकपुर का है, जहां देसी शराब ठेका के विरोध में दर्जनों महिलाएं सड़कों पर उतर आई। इतना ही नहीं ठेकेदार की तरफ से पहुंचे लोगों की झाड़ू और डंडे से पिटाई भी कर दी। इसबीच सूचना पर रावतपुर पुलिस पहुंची तो इलाके की महिलाओं उमा कनौजिया, विभा सिंह, नीतू कटियार, मोनिका सिंह, अंजू शुक्ला, खुशी, गुड्डी, गीता, पूनम, प्रतिमा, शोभा, फूलमती, सुमन मिश्रा, मनोरमा और रजनी सिंह ने संयुक्त रूप से पुलिस को तहरीर भी दी है।इस पर अफसरों ने जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। तब जाकर महिलाएं हटी। अवगत करा दें कि विनायकपुर रावतपुर में देसी शराब ठेका खुलना है। इसे लेकर दुकान भी चिन्हित हो चुकी है। सुबह वहां पर शराब की पेटियां आने को थी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास

वन नेशन-वन इलेक्शन बिल भी संविधान का एक और उल्लंघन है। हम इसका विरोध करेंगे। कांग्रेस सांसद मोदी सरकार की भारत को निगरानी राज्य में बदलने की मंशा को उजागर करें। इससे पहले लोकसभा में बुधवार को 12 घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। रात 2 बजे हुई वोटिंग में 520 सांसदों ने भाग लिया। 288 ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट डाले। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। आज यह बिल राज्यसभा में पेश होगा। चर्चा के दौरान सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बिल फाड़ दिया। उन्होंने कहा- इस बिल का मकसद मुसलमानों को जलील करना है। मैं गांधी की तरह वक्फ बिल को फाड़ता हूं। बिल पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- वक्फ में गैर इस्लामिक नहीं आएगा। ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। वोट बैंक के लिए माइनॉरिटीज को डराया जा रहा है।

अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया

अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसके अलावा दूसरे देशों से अमेरिकी में आने वाले सभी सामान पर 10% बेसलाइन (न्यूनतम) टैरिफ लगेगा। बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल को और रेसिप्रोकल टैरिफ 9 अप्रैल को रात 12 बजे के बाद लागू होंगे।बेसलाइन टैरिफ व्यापार के सामान्य नियमों के तहत आयात पर लगाया जाता है, जबकि रेसिप्रोकल टैरिफ किसी अन्य देश के टैरिफ के जवाब में लगाया जाता है।

आप कौन होते हैं ये तय करने वाले?

मनसे की सिनेमा शाखा के अध्यक्ष अमिय खोपकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कई बार यह कहने के बावजूद कि पार्टी पाकिस्तानी अभिनेताओं वाली फिल्मों को भारत में रिलीज नहीं होने देगी, कुछ निराशाजनक घटनाएं सामने आती रहती हैं। अमिय खोपकर ने चुनौती देते हुए कहा, हम महाराष्ट्र में अबीर गुलाल की रिलीज नहीं होने देंगे। जो लोग पाकिस्तानी अभिनेताओं को खुश करना चाहते हैं, वे ऐसा कर सकते हैं लेकिन उन्हें हमसे निपटना होगा।

ट्रंप के टैरिफ ऐलान से सहमा बाजार

जबकि एक दिन पहले बुधवार को यह 76,617 पर बंद हुआ था। ट्रंप से दुनियाभर के करीब 180 से ज्यादा देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के अपने फैसले पर मुहर लगाई है, जिसके बाद आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रहा है। मार्केट ओपन होते ही टीसीएस, टेक महिन्द्रा और एचसीएल टेल के शेयरों में 25 फीसदी तक गिरावट हुई है। जापान की निक्केई में 2.5% यानी 225 इंडेक्स की गिरावट हुई, जबकि हांगकांग के हांग सेंग इंडेक्स में 1.80% की गिरावट दर्ज हुई है।

खबर संक्षेप

तुर्किये सरकार ने मेटा पर लगाया जुर्माना

मेनलो पार्क। मेटा ने कहा है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर सामग्री को सीमित करने की तुर्किये सरकार की मांग का विरोध करने पर उस पर भारी जुर्माना लगाया गया है। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन की सरकार इस्तांबुल के मेयर की गिरफ्तारी के पश्चात व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर विपक्षी आवाजों को सीमित करने का प्रयास कर रही है। इस्तांबुल के मेयर एर्दोआन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी हैं। मेटा ने भी एक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की है।

इजराइल ने की 'द डिप्लोमेट' की स्क्रीनिंग

येरूशलम। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने नए विदेशी राजनयिक के स्वागत में अपनी किस्म के एक अनूठे कदम के तहत मंगलवार की शाम जॉन अब्राहम अभिनीत फिल्म 'द डिप्लोमैट' की स्क्रीनिंग की। 'द डिप्लोमैट' फिल्म उस वास्तविक संकट पर आधारित है, जिसे सुलझाने में यहां भारत के नए राजदूत जेपी सिंह शामिल थे। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने मंत्रालय के सभागार में फिल्म की 'स्क्रीनिंग' से पहले सिंह से मुलाकात की।

यूएस के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लेकर आए रेसिप्रोकल टैरिफ

मुक्ति दिवस पर गलत कारोबारी प्रथाएं होंगी खत्म, कामगारों के हित में होगी नई व्यवस्था

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

> व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अधिक टैरिफ लगने से कई बाजारों में अमेरिकी उत्पादों का आयात करना लगभग असंभव हो गया है और इसने पिछले कई दशकों में बहुत से अमेरिकियों को व्यवसाय और रोजगार से बाहर कर दिया है

अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले देशों पर जवाबी शुल्क (रेसीप्रोकल टैरिफ) की घोषणा की। ट्रंप ने इस दिन को अमेरिकी कारोबार के लिए मुक्ति दिवस का नाम दिया है। इस दौरान अमेरिकी संसद में सभी मंत्रियों व सदस्यों के मौजूद रहे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि बुधवार को अमेरिका में मुक्ति दिवस मनाया गया, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने गर्व से कहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की नई व्यवस्था दशकों से हमारे देश को लूटने वाली अनुचित व्यापार प्रथाओं को खत्म करेगी। यह अमेरिकी कामगारों के सर्वोत्तम हित में होगा। लेविट ने कहा, दुर्भाग्य से, ये देश बहुत लंबे समय से हमारे देश को लूट रहे हैं। आप इन पर गौर करें तो अमेरिकी डेयरी पर यूरोपीय संघ 50% (टैरिफ) और अमेरिकी चावल पर जापान 700% टैरिफ लगाता है। भारत भी पीछे नहीं है, वह अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100% टैरिफ लगाता है। कनाडा भी अमेरिकी मक्खन और पनीर पर लगभग 300% टैरिफ वसूलता है। इससे इन बाजारों में अमेरिकी उत्पादों का आयात करना लगभग असंभव हो गया है और इसने पिछले कई दशकों में बहुत से अमेरिकियों को व्यवसाय और रोजगार से बाहर कर दिया है। इससे पहले ट्रंप कह चुके हैं कि मुझे लगता है कि टैरिफ के साथ हमारे पास बेहतर प्रदर्शन करने का मौका है। यह वास्तव में हमारी निश्चित तरीके से मदद कर सकता है। मुझे लगता है कि उनमें से बहुत से देश अपने टैरिफ कम कर देंगे, क्योंकि वे वर्षों से अमेरिका पर गलत ढंग से टैरिफ लगा रहे थे। उन्होंने अपनी रणनीति पर विश्वास व्यक्त करते हुए यूरोपीय संघ के हाल में कार टैरिफ को घटाकर 2.5 फीसदी करने को इसकी सफलता का प्रमाण बताया। ट्रंप ने कहा था, जो देश अमेरिका पर जितना टैरिफ लगाएंगे, वे भी उतना ही जवाबी शुल्क लगाएंगे।

यूटीएसआर का दावा गैर-टैरिफ बाधाएं अभी भी बरकरार

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की 2025 राष्ट्रीय व्यापार अनुमान (एनटीई) रिपोर्ट में दावा किया कि भारत कृषि वस्तुओं, दवा निर्माण और मादक पेय पदार्थों जैसी कई अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात शुल्क के साथ गैर-टैरिफ बाधाएं बरकरार रखी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वनस्पति तेल (45% तक), सेब, मक्का और मोटर साइकिल (50%), ऑटोमोबाइल व फूल (60%), प्राकृतिक रबर (70%), कॉफी, किशमिश और अखरोट (100%) पर काफी ऊंचा शुल्क लगाता है।

एआई संचालित आपूर्ति शृंखला में करें निवेश

वैश्विक कंसल्टेंसी फर्म पीडब्ल्यूसी ने कहा कि अमेरिका को टैरिफ नीति के लिए भारतीय व्यवसायों को दीर्घकालिक लचीलापन रणनीति विकसित करने की जरूरत है। आइडिया फ्रेमवर्क व्यापार अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए एक सटीक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसमें निवेश फ्रेमवर्क के तहत, पीडब्ल्यूसी ने सुझाव दिया कि व्यवसायों को प्रौद्योगिकी उन्नयन और एआई-संचालित आपूर्ति श्रृंखला समाधान के लिए पैसा लगाना चाहिए।

भारत में कृषि, मशीनरी, रसायन क्षेत्रों पर होगा असर

अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने से कृषि, बहुमूल्य पत्थर, रसायन, औषधि, विकित्सकीय उपकरण, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी सहित क्षेत्रों के सामान प्रभावित हो सकते हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार इन क्षेत्रों में उच्च शुल्क अंतर के कारण अमेरिकी प्रशासन से अतिरिक्त सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। 'उच्च शुल्क अंतर' किसी उत्पाद पर अमेरिका और भारत द्वारा लगाए गए आयात शुल्कों के बीच का अंतर है।

टैरिफ नियमों के भीतरः भारत

दूसरी तरफ भारत में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा है कि भारत डब्ल्यूटीओ का सदस्य है और अमेरिकी टैरिफ का दायरा नियमों के भीतर है। उन्होंने कहा कि देश तरजीही मुक्त व्यापार समझौते करे और बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत डब्ल्यूटीओ का सदस्य है और किसी वस्तु पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है।

गृह मंत्री शाह के दौरे से पहले

गोली वाले बोली पर, कहा हम 'बातचीत' को तैयार

मुंबई हलचल / सुकमा

छत्तीसगढ़ में ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बाद नक्सलवादी खौफ में आ गए हैं। नक्सलवाद का सफाया होते देख प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति ने मध्य भारत में युद्ध को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। समिति ने शांति वार्ता को सुगम बनाने के लिए भारत सरकार और भाकपा (माओवादी) दोनों से बिना शर्त सीजफायर की मांग की है। नक्सलियों की अपील ऐसे समय में आई है जब दो दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर चार अप्रैल की शाम राजधानी रायपुर आने वाले हैं। समिति ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों के साथ मिलकर माओवादी-प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित करते हुए 'कागर' नामक एक गहन आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया।

सैन्य अभियान बंद होते ही युद्ध विराम

भाकपा (माओवादी) ने कहा है कि जैसे ही सरकार सैन्य अभियान बंद करेगी, वे युद्ध विराम की घोषणा करेंगे। इस दौरान शाह राज्य के प्रमुख नेताओं और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। 5 अप्रैल को शाह बस्तर के दंतेवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे, जहां वह बस्तर पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा वह एंटी-नक्सल अभियान के ऑपरेशन कमांडरों के साथ संवाद भी करेंगे। इस बीच एक दिन पूर्व ही छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक भी गोली चलाना नहीं चाहती। न ही केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार इस हिंसा को बढ़ावा देना चाहती है।

शांति वार्ता से दबाव का आग्रह

संगठन ने सरकार पर क्रांतिकारी आंदोलनों को दबाने के लिए आदिवासी समुदायों के खिलाफ 'नरसंहार युद्ध' छेड़ने का आरोप लगाया है। साथ ही नागरिक क्षेत्रों में सैन्य बलों के उपयोग को असंवैधानिक बताया जाता है। माओवादियों ने बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार संगठनों, पत्रकारों, छात्रों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं से शांति वार्ता के लिए सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया।

पौने नौ करोड़ की चरस जब्त

नशीले पदार्थों की तस्करी में तीन नेपालियों समेत सात गिरफ्तार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

■ क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

क्राइम ब्रांच ने एक नार्को सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। तीन नेपाली नागरिकों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 17.526 किलोग्राम चरस जब्त की गई है। इसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग पौने नौ करोड़ आंकी गई है। बरामद चरस नेपाल और हिमाचल प्रदेश के कसोल से मंगाई गई थी।

रस्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव के अनुसार अपराध शाखा के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने नेपाल और हिमाचल प्रदेश के कसोल से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में चरस की आपूर्ति में लिप्त एक बड़े नार्को-सिंडिकेट को ध्वस्त किया है। इस व्यापक अभियान के परिणामस्वरूप सात लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इनमें चरस की आपूर्ति में शामिल स्रोत, बिचौलिए और रिसीवर शामिल है। जब्त चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 8.75 करोड़ आंकी गई है। पुलिस ने सबसे पहले 20 नवंबर 2024 को मजनूं का टीला क्षेत्र से एक नेपाली नागरिक प्रेम थापा और स्थानीय ड्रग तस्कर मोहम्मद जमील को गिरफ्तार किया था। इनके पास से 1192 ग्राम चरस बरामद की गई थी। प्रेम थापा की निशानदेही पर वजीराबाद में चरस के आपूर्तिकर्ता गंगागुरुंग थापा को 712 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था। बाद में उसके घर की तलाशी के दौरान फ्रिज से 13.766 किलोग्राम अतिरिक्त चरस बरामद की गई। साथ ही प्रेम थापा की निशानदेही पर एक अन्य स्रोत अंकित बुद्ध उर्फ ठाकरे जो कसोल का निवासी है और नेपाल का स्थायी नागरिक है को कसोल से गिरफ्तार किया गया। वह मुख्य स्रोत था, जो प्रेम थापा को चरस उपलब्ध कराता था। प्रदीप कुमार, बल्लभगढ़ हरियाणा का निवासी है। वह प्रेम थापा से चरस खरीदता था और फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के नशा करने वालों को इसकी आपूर्ति करता था। इसे प्रेम थापा की निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया। आगे की जांच के बाद दो अतिरिक्त गिरफ्तारियां हुई। इनके नाम मंजीत और मोती लाल को गिरफ्तार किया गया। मंजीत की स्कॉर्पियो कार की स्टेपनी से 1.856 किलोग्राम चरस बरामद हुई। वह इसे मोती लाल को देने के लिए जयपुर जा रहा था। लगभग 250 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मोती लाल जयपुर का निवासी है और चरस को स्थानीय स्तर पर बेचता था।

पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप को दिया झटका

रूस को यूक्रेन पर अमेरिका का मौजूदा प्रस्ताव मंजूर नहीं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रूस ने कहा है कि वह यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर अमेरिका के मौजूदा प्रस्ताव को मंजूर नहीं कर सकता है, क्योंकि इसमें मास्को की चिंताओं का समाधान नहीं है। इससे युद्ध समाप्त कराने के प्रयास में अमेरिका और रूस के बीच वार्ता अटक गई है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाब्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चिंताओं को दूर करने में अब तक मॉस्को और वाशिंगटन असमर्थ रहे। मौजूदा स्वरूप में जो प्रस्ताव है, उस पर अभी तक मॉस्को आगे नहीं बढ़ पाया है। उन्होंने कहा कि हम अमेरिका की ओर से प्रस्तावित मॉडलों और समाधानों को काफी गंभीरता से लेते हैं, लेकिन इसे मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं कर सकते। पुतिन कह चुके हैं कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की अपनी महत्वाकांक्षा को छोड़ दे। यूक्रेनी सेना का आकार सीमित किया जाए और रूस को चार यूक्रेनी क्षेत्रों पर नियंत्रण मिले।

गुजरात में फाइटर जेट क्रैश, एक ट्रेनी पायलट की मौत, एक घायल

जामनगर। गुजरात के जामनगर के बाहरी इलाके में बुधवार देर रात एयरफोर्स का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया। घटना कालावड रोड पर सुवरदा गांव के पास हुई। क्रैश में एक ट्रेनी पायलट की मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है। क्रैश के बाद प्लेन कई टुकड़ों में बंट गया। उसमें आग लग गई। घायल पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्रैश वाली जगह पर एयरफोर्स, पुलिस और प्रशासन मौजूद है। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुटी गई। एयरफोर्स के अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। खेत के बड़े इलाके में आग लग गई और प्लेन के टुकड़े फैले गए।

चिली के राष्ट्रपति फॉन्ट बोले

भारत प्राथमिकता वाला साझेदार देश यूएन में स्थायी सदस्यता का समर्थन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट ने बुधवार को भारतीय विश्व मामलों की परिषद आईसीडब्ल्यू में व्याख्यान देते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। यही नहीं, उन्होंने भारत को प्राथमिकता वाला साझेदार बताया और दक्षिण सहयोग में उसकी भूमिका की सराहना की।

समझौतों को समयबद्ध रूप से पूरा करेंगे

उन्होंने कहा कि भारत और चिली के सीईपीए समझौते को समयबद्ध रूप से पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। ट्रंप नीति की ओर इशारा करते हुए बोरिक ने एकतरफा टैरिफ को वैश्विक व्यापार के लिए खतरनाक और राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खतरा बताया। भारतीय संस्कृति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि चिली सिर्फ योग की ही नहीं बल्कि भारत की जीवंत परम्पराओं और समृद्धता को समझाने में भी रुचि रखता है।

पाकिस्तानी सेना का दुस्साहस, एलओसी पार कर घुसपैठ की कोशिश

भारत ने पाक फायरिंग का दिया मुंहतोड़ जवाब, दुश्मन के 5 सैनिक हुए घायल

मुंबई हलचल / जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ इलाके में पाकिस्तान सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की। भारत की ओर से पड़ोसियों के इस दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक, पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन मंगलवार दोपहर 1.10 बजे किया गया। तत्काल ही भारतीय सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित जवाबी कार्रवाई की। हालांकि, भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किसी के हताहत होने का कोई जिक्र नहीं किया। इस बीच कुछ आधिकारिक सूत्रों की मानें तो फिस्फोट और दोनों पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में दुश्मन के पांच सैनिक घायल हुए हैं।

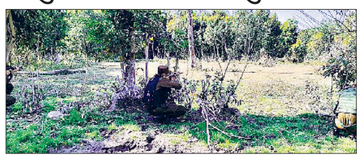

पाक ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया

जम्मू स्थित रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्त्वाल ने बताया कि 1 अप्रैल 2025 को एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। हमारे सैनिकों ने नियंत्रित और संतुलित तरीके से प्रभावी ढंग से जवाब दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेनाशांति बनाए रखने के लिए 2021 के महानिदेशक सैन्य अभियान की समझ के सिद्धांतों को बनाए रखने की अहमियत को दोहराती है।

बिहार में चुनाव से पहले बड़ा बदलाव, कांग्रेस ने नए जिलाध्यक्षों को सौंपी कमान

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में कांग्रेस ने इस बार भाजपा के सामने बड़ी चुनौती रखने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। बीती रात बिहार कांग्रेस में बड़ा फेरबदल हुआ है। कांग्रेस आलाकमान ने देर रात बिहार में 58 नए जिलाध्यक्षों और कार्यकारी अध्यक्षों की लिस्ट जारी कर दी है। हाल ही में बिहार में राजेश कुमार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने देर रात नए जिलाध्यक्षों और कार्यकारी की नियुक्ति कर दी है। बिहार में चुनाव को लेकर ये महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने की बात कही जा रही है। वहीं इससे पहले कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस प्रभारी बनाया गया था। इस बार नीतीश सरकार से कांग्रेस सीधी टक्कर लेने को तैयार है।

पटना शहर की कमान शशि रंजन को : राजधानी पटना शहरी क्षेत्र की कमान कमेटी ने शशि रंजन के हाथ सौंपी है। जबकि रंजीत कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रंजन के सामने ये बड़ी चुनौती होगी। भाजपा और नीतीश से उन्हें सीधे टक्कर लेनी होगी। इसलिए अभी से कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। वहीं पटना ग्रामीण-1 की जिम्मेदारी सुमित कुमार सन्नी को दी गई है। उदय कुमार चंद्रवंशी कार्यकारी जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। गुरुजीत सिंह को पटना-2 का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। नीतू निषाद को कार्यकारी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। **इतने मुस्लिम चेहरों को दिया मौका :** एआईसीसी की ओर से जारी जिलाध्यक्षों की लिस्ट में इस बार 8 मुस्लिम चेहरों को मौका दिया गया है। अररिया, कटिहार, किशनगंज, शिवहर, भागलपुर, गया, जहानाबाद, मुंगेर में मुस्लिम चेहरों को मौका दिया गया है। इन जिलाध्यक्षों को जिले स्तर में अपनी पकड़ मजबूत करने और ग्राउंड लेवल पर काम करने के लिए कहा गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विशेषज्ञों का कहना, जवाबी शुल्क से कई क्षेत्र होंगे प्रभावित

अमेरिकी शुल्क से कृषि, मशीनरी, औषधि इलेक्ट्रिकल क्षेत्रों पर पड़ सकता है असर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने से कृषि, बहुमूल्य पत्थर, रसायन, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी सहित क्षेत्रों के सामान प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन क्षेत्रों में उच्च शुल्क अंतर के कारण अमेरिकी प्रशासन से अतिरिक्त सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। 'उच्च शुल्क अंतर' किसी उत्पाद पर अमेरिका और भारत द्वारा लगाए गए आयात शुल्कों के बीच का अंतर है। व्यापक क्षेत्र स्तर पर, भारत और अमेरिका के बीच संभावित शुल्क अंतर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग है।

उच्च शुल्क अंतर अमेरिका व भारत द्वारा लगाए गए शुल्कों के बीच का अंतर

शुल्क अंतर जितना अधिक क्षेत्र उतना प्रभावित

रसायनों तथा औषधि पर यह अंतर 8.6 प्रतिशत; प्लास्टिक पर 5.6 प्रतिशत; वस्त्र व परिधान पर 1.4 प्रतिशत; हीरे, सोने तथा आभूषणों पर 13.3 प्रतिशत; लोहा, इस्पात व आधार धातुओं पर 2.5 प्रतिशत; मशीनरी व कंप्यूटर पर 5.3 प्रतिशत; इलेक्ट्रॉनिक पर 7.2 प्रतिशत और वाहन तथा उसके घटकों पर 23.1 प्रतिशत है। एक निर्यातक ने कहा, '' शुल्क अंतर जितना अधिक होगा, क्षेत्र उतना ही अधिक प्रभावित होगा।''

40 फीसदी झींगा निर्यात भारत से

भारत के कुल झींगा निर्यात में से हम 40 प्रतिशत अमेरिका को निर्यात करते हैं।'' उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका प्रतिस्पर्धी देशों इक्वाडोर और इंडोनेशिया पर भी इसी तरह का शुल्क लगाए तो भारतीय निर्यातकों को कुछ राहत मिल सकती है। भारत के प्रसंस्कृत खाद्य, चीनी तथा कोको निर्यात पर भी असर पड़ सकता है क्योंकि शुल्क अंतर 24.99 प्रतिशत है।

पिछले साल निर्यात 1.03 अरब डॉलर

पिछले साल इसका निर्यात 1.03 अरब अमेरिकी डॉलर था। इसी प्रकार, अनाज, सब्जियां, फल तथा मसालों के बीच शुल्क अंतर 5.72 प्रतिशत है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि 18.149 करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के दुग्ध उत्पादों के निर्यात पर 38.23 प्रतिशत के अंतर का ''गंभीर'' असर पड़ सकता है, जिससे घी, मक्खन और दूध पाउडर महंगे हो जाएंगे।

सबसे अधिक प्रभावित मछली, मांस

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के विश्लेषण के अनुसार, कृषि में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मछली, मांस व प्रसंस्कृत समुद्री भोजन होगा। इसका 2024 में निर्यात 2.58 अरब अमेरिकी डॉलर था और इसे 27.83 प्रतिशत शुल्क अंतर का सामना करना पड़ेगा।

शुल्क से प्रतिस्पर्धा काफी कम होगी

झींगा जो अमेरिका का एक प्रमुख निर्यात है, अमेरिकी शुल्क लागू होने के कारण काफी कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक योगेश गुप्ता ने कहा, '' अमेरिका में हमारे निर्यात पर पहले से ही डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्क लागू हैं। शुल्कों में अतिरिक्त वृद्धि से हम अप्रतिस्पर्धी हो जाएंगे।

14 दिन बाद एक दूसरे से मिले मुस्कान और साहिल, एक दूजे को देख हुए भावुक... लेकिन नहीं हुई कोई बात

मेरठ। मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड में आरोपी साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी जेल में बंद हैं। इस बीच खबर है कि उनकी न्यायिक हिरासत और बढ़ गई है। दोनों को अभी 14 दिन और न्यायिक हिरासत में जेल में रहना होगा। उनकी अगली पेशी 15 अप्रैल को होगी। आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुस्कान-साहिल की पेशी हुई। खास बात ये रही कि एक ही कमरे में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा ये पेशी हुई। ऐसे में करीब दो हफ्ते बाद सौरभ के 'कातिल' एक दूसरे से मिले। मेरठ जिला जेल प्रशासन के मुताबिक, 14 दिन बाद साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी एक दूसरे से मिले। उन्होंने एक दूसरे को देखा लेकिन उनके बीच कोई बात नहीं हुई। लगभग दो मिनट तक वे साथ रहे। इस दौरान दोनों भावुक नजर आ रहे थे। पेशी के बाद उन्हें अलग-

अलग बैरक में डाल दिया गया। बता दें कि मुस्कान और साहिल को जेल नियमों के तहत अलग-अलग बैरकों में रखा है। दोनों ने एक ही बैरक में रहने की इच्छा जताई थी, लेकिन जेल मैन्युअल के नियमों के कारण यह संभव नहीं हो सका। जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जेल के नियमों के अनुसार ही कोई निर्णय लिया जाता है और फिलहाल दोनों को अलग-अलग बैरकों में ही रहना होगा। इसके अलावा मेरठ जेल प्रशासन ने दोनों को उनकी रुचि के अनुसार जेल में कार्य करने की अनुमति दी है। मुस्कान ने सिलाई-कढ़ाई का काम सीखने की इच्छा जताई, जबकि साहिल ने खेती-किसानी में रुचि दिखाई। जेल प्रशासन ने उनकी मांग स्वीकार कर ली और दोनों को उनके कार्यों में शामिल कर दिया गया है। इससे न केवल वे जेल में समय व्यतीत कर सकेंगे, बल्कि उनके आचरण का भी मूल्यांकन किया जाएगा। वहीं, मेरठ जिला जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा ने बताया कि जेल नियमों के तहत किसी भी बंदी को 10 दिन पूरे होने के बाद कार्य आवंटित किया जाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रात को सोने से पहले ७ दिनों तक खाएं 2 काजू और पायें चमत्कारी फायदें

सर्दियाँ आ रही है और मौसम में बिमारियों से बचने के लिए ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह दी जाती है। ड्राई फ्रूट्स गर्म होते है इसलिए ये हमे सर्दी लगने से बचाते है। वैसे तो काफी सारे डॉयफ्रुइट्स है पर काजू इन सबमें खास है। सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाले ड्राई फ्रूट्स में से एक काजू न सिर्फ स्वाद में बेमिसाल होता है बल्कि इसके कई ऐसे चमत्कारी गुण भी है जो आपकी सेहत में चार चाँद लगा सकते है।

काजू में ढेर सरे विटामिन और पोषक तत्व मौजूद होते है और साथ ही भरपूर मात्र में वसा भी होती है। वसा होने में अच्छी बात ये भी है की इसमें मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड वसा होता हैं। आईये जानते है इसमें कैसे आपको सेहतमंद बना सकता है और किन रोगों से बचा सकता है।

कमजोरी से छुटकारा: काजू में विटामिन ई होता है और विटामिन ई एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इसमें विटामिन ई, के,बी6, तांबा, फास्फोरस, जिंक, आयरन, और सेलेनियम जैसे खनिज भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

हृदय रोग : यदि काजू को कम मात्रा में खाया जाता है तो हृदय रोग में सुधार हो सकता है और साथ ही स्ट्रोक के जोखिम को भी कम करता है। अनुसंधान से पता चलता है कि काजू खाने से हृदय रोग का जोखिम कम हो सकता हैं। यह रक्तचाप और खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। ये स्वाभाविक रूप से कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता हैं और पोटेशियम जैसे अन्य विटामिन हृदय रोग से लड़ने में भी मदद करते हैं।

रक्त स्वास्थ्य: काजू में कॉपर और आयरन लाल रक्त कोशिकाओं को बढ़ाने का काम करता हैं, साथ ही रक्त वाहिकाओं, तंत्रिकाओं, प्रतिरक्षा प्रणाली, और हड्डियों को स्वस्थ रखने का कार्य करता हैं।

नेत्र स्वास्थ्य: हम सब जानते है कि गाजर आपकी आंखों के लिए अच्छा होता है, लेकिन यह जानकार आपको आश्चर्य होगा कि काजू में ल्यूसिन और जेकैक्टीन होते हैं, जो नियमित रूप से एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करता हैं। ये यौगिक आंखों को क्षति से बचाता है।

वजन संतुलन : शोध के अनुसार, एक दिन में दो काजू खाने से हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर से बचा जा सकता है। काजू में पाए जाने वाला पॉलीअनसैचुरेटेड वसा आपके वजन को संतुलित रखता है।

तेजपत्ते के ऐसे इस्तेमाल जो निखार देंगे आपकी खूबसूरती

तेजपत्ते का इस्तेमाल केवल खाने में डालने तक ही सीमित नही हैं। कई लोगों को ये जानकर हैरानी हो सकती है कि तेजपत्ते के इस्तेमाल से आप अपनी त्वचा व बालों को भी फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए, जानते हैं कि किस तरह से आप तेजपत्ते को अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं -

1. चेहरे पर दाग, धब्बे या मुहांसे होने पर तेजपत्ता काफी लाभदायक होता है। तेजपत्ते का लेप या फिर तेजपत्ता डालकर उबाले गए पानी से चेहरा धोना, चेहरे को साफ और बेदाग बनाए रखने में मदद करता है।

2. तेजपत्ते का पानी सूर्य की किरणों से प्रभावित त्वचा को भी ठीक करने में मदद करता है, और त्वचा की रंगत को समान बनाए रखने में मदद करता है।

3. बालों को नर्म, मुलायम और चमकदार बनाए रखने के लिए तेजपत्ते का उपयोग बेहद असरकारक होता है। आप चाहें तो इसे तेल में डालकर उस तेल को बालों की जड़ों में लगा सकते हैं, या फिर इसके पानी से बालों को धो सकते हैं।

4. तेजपत्ते का लेप बनाकर बालों में लगाने से रूसी की समस्या से निजात मिल सकती है। इसे लेप को दही में मिलाकर भी लगाया जा सकता है, ताकि सिर की त्वचा में नमी बनी रहे और पोषण भी मिले।

5. तेजपत्ते को सुखाकर उसके पाउडर को मंजन की तरह इस्तेमाल करना, दांतों की सफेदी और चमक बरकरार रखने में कारगर है। आप चाहें तो इसे सप्ताह में एक दिन आजमा सकते हैं।

गेहूं के रस के यह फायदे आपको चौंका देंगे, किसी भी बीमारी के लिए रामबाण औषधि है

गेहूं का रस किसी भी बीमारी के लिए रामबाण औषधि है। ताजा-ताजा यह रस पीने से पथरी, पीलिया, मधुमेह, गठिया आदि बीमारियां ठीक हो जाती हैं। रस बनाने की विधि-

पुराने लकड़ी के बक्सों में मिट्टी भर लीजिए। इसमें गेहूं के दाने बो दीजिए। थोड़ा-थोड़ा पानी डालिए और जहां तक हो सके इन्हें छांह में रखिए।

आठ-दस दिन बाद जब पौधे 7-8 इंच लंबे हो जाएं, तब इन्हें जड़ से उखाड़कर धो लें। जड़ काटकर अलग कर दें और बचे हुए डंठल और पत्तियों को पीसकर, छानकर रस तैयार कर लें। इस रस को तत्काल पी लें।

ज्यादा देर इसे रखने से इसकी शक्ति कम हो जाती है। इस रस के सेवन से भयंकर से भयंकर रोग भी दूर हो जाते हैं।

खांसी- 20 ग्राम गेहूं के दानों में नमक मिलाकर 250 ग्राम पानी में उबाल लें। जब तक की पानी की मात्रा एक तिहाई न रह जाए। इसे गरम-गरम पी लें। लगातार एक हफ्ते तक यह प्रयोग दोहराने से खांसी जल्दी चली जाती है।

दाहकता- 80 ग्राम गेहूं को रात में पानी में भिगो दें। सुबह उन्हें अच्छी तरह पीसकर छान लें। यदि चाहें तो स्वाद के लिए उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला लें। गेहूं के इस रस को पीने से शरीर में उत्पन्न दाहकता (गर्मी) शांत होती है। इससे मूत्र संबंधी रोगों में भी फायदा मिलता है।

अस्थि भंग- एक मुठ्ठी गेहूं को तवे पर भूनकर पीस लें। इस चूर्ण को शहद के साथ चाटने से अस्थि भंग रोग दूर होता है। स्मरण शक्ति- गेहूं से बने हरीरा में शक्कर और बादाम मिलाकर पीने से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्वरा भास्कर ने फैमिली संग ईद सेलिब्रेशन की दिखाई झलकियां

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री स्वरा भास्कर अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। कई बार एक्ट्रेस अपनी बेबाक बातों को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं। इसी बीच हाल ही में उन्होंने अपने पति फहाद अहमद, बेटी राबिया और अपने परिवार के सदस्यों के साथ गांव में ईद मनाई। जिसकी तस्वीरें अब शेयर की हैं। दरअसल, बुधवार को स्वरा ने इंस्टाग्राम पर जश्न की कई तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में स्वरा, फहाद और परिवार के अन्य सदस्य छत पर सजे-धजे नजर आ रहे हैं। स्वरा नीले और सफेद रंग के सूट में नजर आ रही हैं। फहाद मैचिंग कुर्ता और पायजामा पहने हुए हैं। राबिया गुलाबी रंग के सूट में नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में स्वरा और फहाद हंस रहे थे, जबकि स्वरा ने राबिया को अपनी बाहों में पकड़ रखा था, जो कैमरे से दूर देख रही थी। स्वरा ने अपनी बेटी का चेहरा नहीं दिखाया। स्वरा ने फहाद के बगल में पोज दिया, जबकि फहाद ने सेल्फी क्लिक की। कुछ तस्वीरों में राबिया अपने माता-पिता के साथ दिख रही थीं।

सलमान को चुभी सिकंदर पर बॉलीवुड की चुप्पी

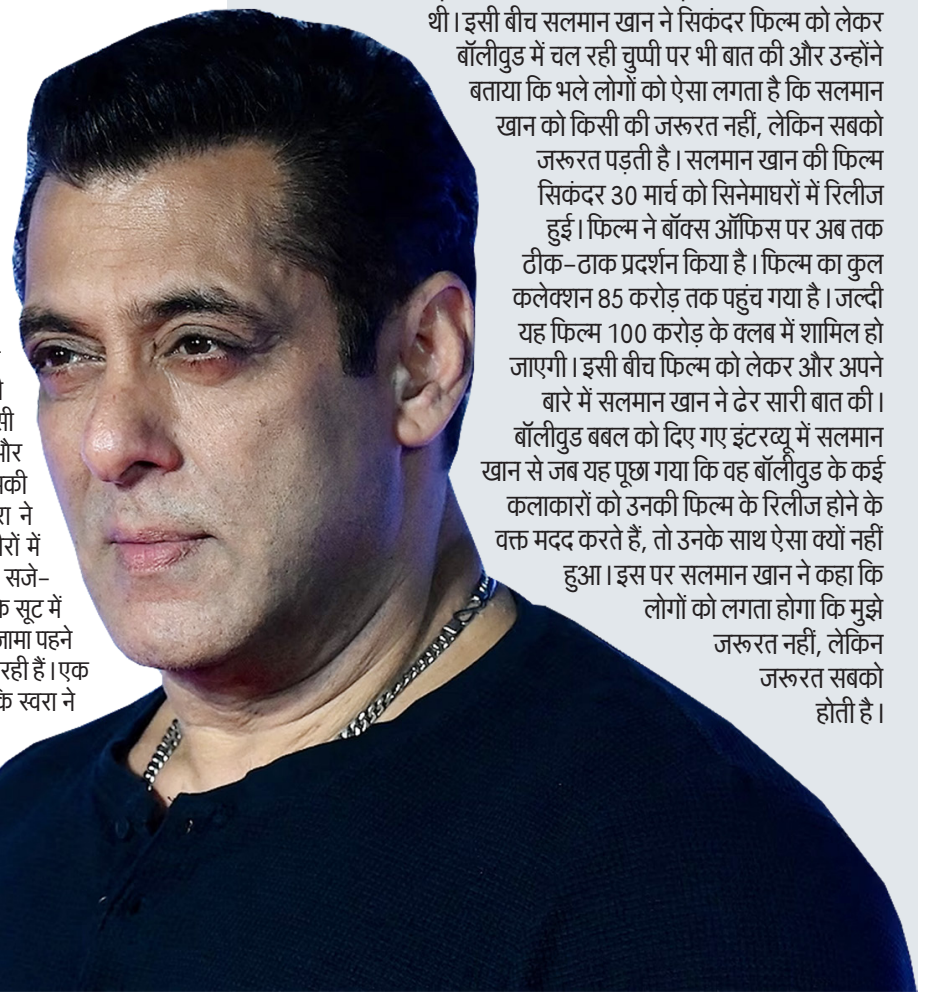

सलमान खान की फिल्म सिकंदर के चौथे दिन का कारोबार 10 करोड़ के आसपास सिमट कर रह गया। पहले दिन फिल्म ने 26 करोड़, दूसरे दिन 29 करोड़, तीसरे दिन करीब 20 करोड़ के आसपास कमाई की थी। इसी बीच सलमान खान ने सिकंदर फिल्म को लेकर बॉलीवुड में चल रही चुप्पी पर भी बात की और उन्होंने बताया कि भले लोगों को ऐसा लगता है कि सलमान खान को किसी की जरूरत नहीं, लेकिन सबको जरूरत पड़ती है। सलमान खान की फिल्म सिकंदर 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। फिल्म का कुल कलेक्शन 85 करोड़ तक पहुंच गया है। जल्दी यह फिल्म 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी। इसी बीच फिल्म को लेकर और अपने बारे में सलमान खान ने ढेर सारी बात की। बॉलीवुड बबल को दिए गए इंटरव्यू में सलमान खान से जब यह पूछा गया कि वह बॉलीवुड के कई कलाकारों को उनकी फिल्म के रिलीज होने के वक्त मदद करते हैं, तो उनके साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ। इस पर सलमान खान ने कहा कि लोगों को लगता होगा कि मुझे जरूरत नहीं, लेकिन जरूरत सबको होती है।